सत्यमेव जयते

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
राष्ट्रीय महिला आयोग
NATIONAL COMMISSION FOR WOMEN
4, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग
4, DEEN DAYAL UPADHYAYA MARG
नई दिल्ली–110 002
NEW DELHI–110 002
Website : www.ncw.nic.in

No.8/4(219)PM/2013-NCW

10-06-2014

To

The Chief Secretary
Govt. of Madhya Pradesh
Mantralaya, Vallabh Bhavan,
Bhopal-462004

Sub- Recommendations of the Inquiry Committee constituted by National Commission for Women in connection with an incident in Dabra district of Madhya Pradesh.

Sir,

I am directed to state that the National Commission for Women (NCW) had taken suo-motu cognizance and constituted an Inquiry Committee under Section 8(1), read with Section 10(1) and (4) of the NCW Act, 1990 to inquire into the superstitious practice wherein reportedly women are not allowed to go upstairs at Kitora village, in Dabra District of Madhya Pradesh.

After inquiring into the said incident, the Commission has made recommendations which are enclosed.

I am directed to convey that the State Government is requested to take appropriate action in the matter and the Commission may be kept informed about action taken in this regard.

Yours sincerely,

(Raj Singh)
Deputy Secretary

NATIONAL COMMISSION FOR WOMEN
ADMN.
Desp.
10 JUN 2014
Sign.
NEW DELHI-110002

सिफारिशें

1. जागरूकता अभियान

अंधविश्वास हमारे समाज की जड़ों के अंदर तक है। इससे सबसे ज्यादा महिलाएं प्रभावित होती हैं। यह महिलाओं पर अंकुश रखने का सबसे आसान तरीका है। गरीबी, अशिक्षा, निर्भरता के कारण भी महिलाएं अंधविश्वास का शिकार होती है। इन्हीं अंधविश्वासों के खिलाफ जागरूकता की जरूरत है। अंधविश्वास इतने गहरे जमे हैं कि इन्हें एकदम से हटाया नही जा सकता। लेकिन धीरे–धीरे जागरूकता अभ्यिानों के द्वारा पुरुष व महिला को इनकी जानकारी दी जानी चाहिए। इनके दुष्परिणाम बताने चाहिए। समय–समय पर ऐसे अभियान राज्य सरकारों द्वारा लगवाए जाने चाहिए। ताकि ऐसे अंधविश्वासों से आने वाली पीढ़ी को सतर्क किया जा सके।

2. मीडिया की भूमिका

अंधविश्वास के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। मीडिया के द्वारा समय–समय पर जागरूकता संबंधी कार्यक्रम का आयोजन होना चाहिए अतः मीडिया की सशक्त भूमिका होनी चाहिए जिससे जागरूकता लाई जा सके। टी.वी., रेडियो के माध्यम से अंधविश्वास के प्रति जागरूकता के कार्यक्रमों का प्रसार होना चाहिए। राज्य सरकार द्वारा समय–समय पर मीडिया के द्वारा ऐसे कार्यक्रम करवाने चाहिए।

3. शिक्षा

गांव में पुरुषों के साथ–साथ महिलाओं को भी शिक्षित करना जरूरी है। किटोरा गांव में मोघिया जाति में लड़कों को विद्यालय भेजा जाता है। लड़कियों को नहीं भेजा जाता। राज्य प्रशासन यह

सुनिश्चित करे कि अपने अभियानों द्वारा/गैर सरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर, बच्चियों को शिक्षित करने संबंधी जागरूकता घर–घर जाकर करें। परिवार को नारी शिक्षा का महत्व बताएं। शिक्षा किसी भी अंधविश्वास को समाप्त कर सकती है।

4. राज्य सरकार द्वारा अपने अधिकारियों व गैर सरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर महिलाओं को जागरूक करने की जरूरत है क्योंकि महिलाएं ऐसा स्रोत बन जाती हैं कि वे अपने आपको हीन समझने लगती हैं और समाज की मान्यताएं उन पर लागू कर दी जाएं, उसे स्वीकार करती हैं। महिलाएं पितृसत्तात्मक व्यवस्था को सहर्ष स्वीकारती है। उनकी जिंदगी का महत्व पुरुष के बताए रास्ते पर चलना होता है। कभी–कभी वे खुद अंधविश्वास को फैलाने का जरिया बन जाती है। इसलिए जरूरी है कि महिलाएं अपने प्रति, अपने अधिकरों/अंधविश्वासों के प्रति जागरूक बने।
5. महिलाओं के साथ–साथ समाज के पुरुष प्रधान को भी इस अंधविश्वास के प्रति चेताना जरूरी है।
6. राज्य सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर अंधविश्वास के विरुद्ध सेमीनार, नुक्कड़ नाटक, अभियान चलाने की जरूरत है ताकि बरसों से चली आ रही रुढ़ियों को खत्म किया जा सके।